RNI No. : RAJHIN/2012//50791
ISSN : 2278-6392

शिक्षा की बुनियाद

हिंदी त्रैमासिक | वर्ष : 3 | अंक : 10 | 11 अक्टूबर, 2014 | उदयपुर | ₹ 200(वार्षिक)

विद्या भवन सोसायटी

Azim Premji University

वे सदा हमारे साथ रहेंगे...

डॉ. हृदय कांत दीवान 30 सितम्बर 2014 को औपचारिक रूप से विद्या भवन से सेवानिवृत्त हो गए हैं। आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से भौतिक शास्त्र में पीएच.डी. करने के बाद मध्यप्रदेश की शैक्षिक संस्था 'एकलव्य' से जुड़कर लगभग 15 वर्षों तक स्कूली शिक्षा के अनेक पहलुओं पर कार्य किया। इसके पश्चात आपने विद्या भवन में व्यवस्था सचिव के नाते काम संभाला। बाद में आप संस्था के शिक्षा सलाहकार बने। विद्या भवन शिक्षा संदर्भ केंद्र की स्थापना में आपका उल्लेखनीय योगदान रहा है। विद्या भवन के प्रकाशनों में आपकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है। शिक्षा में नवाचार और शोध के क्षेत्र में आप निरंतर महत्त्वपूर्ण कार्य करते रहे हैं और आज भी सक्रिय हैं। 'हार्डी' के नाम से मशहूर डॉ. हृदय कांत दीवान शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले, देशभर की एक पूरी पीढ़ी के प्रेरणा स्रोत और मागदर्शक साथी के रूप में सदा हमारे साथ होंगे।

डॉ. (श्रीमती) विश्व विजया सिंह एम.ए., एम.एड. और शिक्षा में पीएच.डी. हैं। आप 1970 से 2004 तक विद्या भवन स्कूल से जुड़ी रहीं। अध्यापक से आरंभ करके आपने नर्सरी एवं जूनियर स्कूल की प्रधानाध्यापिका पद की जिम्मेदारी भी संभाली। 2001 से 2014 तक सेफ्टी कंसर्न सेंटर के समन्वयक के दायित्व के साथ-साथ, सेंटर की पत्रिका 'दो टूक बात' के नौ अंकों का संपादन भी किया। विद्या भवन विद्या बंधु संघ की वार्षिक पत्रिका 'मुख-पत्र' की 11 वर्षों तक संपादक रहीं। आपने स्कूल की पत्रिका 'गुंजन' का भी संपादन किया। न्यूजलेटर 'खोज-खबर' के संपादन मंडल की 11 वर्षों तक सदस्य रहीं। 'खोज-बीन' में सह-संपादक तथा 'बुनियादी शिक्षा' की संपादकीय टीम में सदस्य रहीं। 'खोजें और जानें' में आप संपादन टीम की सदस्य रहीं हैं। देश की प्रतिष्ठित शैक्षिक पत्रिकाओं में आपके शैक्षिक आलेख प्रकाशित होते रहे हैं। 30 जून, 2014 को औपचारिक रूप से आप विद्या भवन से सेवानिवृत्त हो गई हैं। विदुषी के रूप में आपकी स्मृति सदैव हमारे बीच रहेगी।

श्री भागचंद्र कुमावत 38 वर्षों की लम्बी सेवा के बाद 30 जून 2014 को विद्या भवन से सेवानिवृत्त हो गए। आपने एम.ए., एम.एड. तक शिक्षा प्राप्त की। आपने लगभग 30 वर्षों तक विद्या भवन के बुनियादी स्कूल में अध्यापन किया। उसके बाद विद्या भवन के प्रकाशन विभाग से जुड़े। आपने विद्या भवन की शैक्षिक पत्रिकाओं 'बुनियादी शिक्षा' तथा 'खोज-बीन' की शुरूआत करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। भागचंद्र जी ने 'खोजें और जानें' के समन्वयक एवं 'शिक्षा की बुनियाद' के संपादक के दायित्व को भी बखूबी निभाया। विद्या भवन बेसिक स्कूल में बुनियादी तालीम और विद्या भवन गांधी शिक्षा अध्ययन संस्थान की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप हंसमुख एवं मिलनसार सहकर्मी के रूप में हमेशा याद आते रहेंगे।

'शिक्षा की बुनियाद' आप सबके अतुलनीय योगदान के लिए आभारी है।

Azim Premji University

DISCOVER YOUR INTERESTS.
EXPLORE THE UNUSUAL.

Azim Premji University invites applications to its
Undergraduate programme in the Humanities, Sciences & Social Sciences.

For more details, log on to azimpremjiuniversity.edu.in/ug
or write to us at ugadmissions@apu.edu.in

Azim Premji University
PES - IT Campus, Pixel Park, B Block, Electronics City, Hosur Road, Bengaluru – 560100

गणित की किताब

तूने अब फिसलना भले ही छोड़ दिया हो
पर फिसलपट्टी ने
तेरा साथ नहीं छोड़ा है
वह तेरी गणित की किताब में
वर्गमूल का चिह्न हो गई है

कभी जमीन छूता
कभी आसमान होता–
सी सॉ
गुणा का चिह्न बन गया है

और हर वक्त टप्पे खाती
लुढ़कती तेरी गेंद
अंकों को अनंत तक
दौड़ाने में दक्ष हो गई है
अब शून्य कहलाती है

तेरे आईसक्रीम का कोन
बदल गया है शंकु में

तेरे चित्रों के सारे पहाड़
अब त्रिभुज बन गए हैं
और उगता हुआ सूरज
वृत्त के रूप में पूरा उग चुका है

हेमंत देवलेकर
स्कूली शिक्षा में कला और नाटक से सरोकार।
उज्जैन में निवास।

विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर की ओर से प्रकाशक व मुद्रक : रियाज़ ए. तहसीन, पता : विद्या भवन सोसायटी, डा. मोहन सिंह मेहता मार्ग, फतेहपुरा, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित एवं संजय प्रिन्टर्स, 71, महिला मंडल स्कूल के पास, मुखर्जी चौक, उदयपुर, (राज.) से मुद्रित, संपादक : आदेश कुमार सिंह।